Sem-1, MJC, MIC, IDC — अर्थशास्त्र एक परिचय

अर्थशास्त्र - परिभाषा, अर्थशास्त्र क्या है, अर्थशास्त्र के लाभ

↳ अर्थशास्त्र प्राचीन ग्रीक शब्द "ओइकोनोमिकोस" या ओइकोनोमिया से आया है। इसका शाब्दिक अर्थ है "घर चलाने का कार्य"। फ्रांसीसी व्यापारी वर्ग लोक प्रशासन से संबंधित मामलों के लिए "इकोनॉमी पोलिटिक" या राजनीतिक अर्थव्यवस्था शब्द का प्रयोग करता था।

↳ अर्थशास्त्र वह सामाजिक विज्ञान है, जो सीमित संसाधनों के वितरण और उपयोग का अध्ययन करता है ताकि अनंत मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके। यह वस्तुओं के उत्पादन, वितरण और उपभोग से संबंधित है और इसमें व्यक्ति, परिवार, व्यवसाय और राष्ट्र के निर्णय शामिल होते हैं कि कैसे चुनाव किए जाएं।

↳ अर्थशास्त्र 'आर्थिक क्रियाओं' का वह अध्ययन है, जिसमें असीमित मानवीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सीमित संसाधनों के उत्पादन, वितरण, विनिमय और उपभोग का विश्लेषण किया जाता है। इसमें व्यक्ति, व्यवसाय, सरकारें और राष्ट्र अपने सीमित संसाधनों का आवंटन करके अपनी इच्छाओं को कैसे पूरा करते हैं, इस पर विचार किया जाता है। संक्षेप में, अर्थशास्त्र उन सभी मानवीय क्रियाओं का अध्ययन है जिनका संबंध धन और संसाधनों से है।

* आर्थिक क्रियाओं का अध्ययन क्यों महत्वपूर्ण है?

* संसाधनों का कुशल उपयोग: क्योंकि संसाधन सीमित होते हैं, अर्थशास्त्र इनका उचित उपयोग करना सिखाता है ताकि अधिकतम मानव कल्याण हो सके।

* अभाव और चुनाव : अर्थशास्त्र यह बताता है कि सीमित संसाधनों के कारण चुनाव कैसे किए जाते हैं, जैसे कि विभिन्न विकल्पों में से क्या चुना जाए। यह महत्वपूर्ण प्रक्रिया है।

* व्यवस्था का संचालन : यह समझने में मदद करता है कि अर्थव्यवस्थाएँ कैसे काम करती हैं और बाजार में कीमतें कैसे निर्धारित होती हैं।

* व्यक्तिगत से राष्ट्रीय स्तर तक : अर्थशास्त्र में व्यक्तिगत उपभोक्ता और उत्पादन से लेकर पूरी सरकार और देशों के आर्थिक व्यवहारों का अध्ययन किया जाता है।

आर्थिक क्रियाओं में शामिल है :

* उत्पादन : वस्तुओं और सेवाओं का निर्माण करना।

* वितरण : उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं को लोगों तक पहुँचाना।

* उपभोग : आवश्यकताओं और इच्छाओं को पूरा करने के लिए वस्तुओं और सेवाओं का उपभोग करना।

* विनिमय : वस्तुओं और सेवाओं का आदान-प्रदान करना, जैसे व्यापार।

इसलिए, अर्थशास्त्र को सिर्फ पैसे से जोड़कर नहीं देखा जा सकता है, बल्कि यह एक सामाजिक विज्ञान है, जो असीमित इच्छाओं के साथ सीमित संसाधनों के प्रबंधन और मानवीय व्यवहार का अध्ययन करता है।

परिभाषा के मुख्य बिंदु

* संसाधनों का अध्ययन : अर्थशास्त्र सीमित संसाधनों (जैसे भूमि, श्रम, पूँजी, कच्चा माल) का उपभोग कैसे जाता है, इसका अध्ययन है।

* अनंत आवश्यकताओं की पूर्ति : इन सीमित संसाधनों के माध्यम से असीमित मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना अर्थशास्त्र का केंद्रीय विषय है।

* उत्पादन, वितरण और उपभोग : यह वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन, वितरण और उपभोग की प्रक्रियाओं से संबंधित है।

* निर्णय लेने का अध्ययन : इसमें व्यक्ति, परिवार, व्यवसायों और सरकारों द्वारा संसाधनों के आवंटन और निर्णय लेने की प्रक्रिया का विश्लेषण किया जाता है।

* सामाजिक विज्ञान : अर्थशास्त्र एक सामाजिक विज्ञान है क्योंकि यह मनुष्यों और समाज के आर्थिक व्यवहारों का अध्ययन करता है।